Roll. No. : .....

S-2269

M.A. (II Semester) Examination, 2022-23

SANSKRIT

[Paper - IV]

[काव्यशास्त्र]

Time : 2½ Hours] **[Maximum Marks : 80**

नोट : इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं : खण्ड 'अ' और 'ब'। खण्ड 'अ' तथा 'ब' प्रत्येक में से किन्हीं चार–चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर–पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड 'अ'

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×5 = 20**

1. "तददोषौ शब्दर्थौ सगुणावनलं कृती पुनः क्वापि"
   मम्मटाचार्य कृत काव्य लक्षण को समझाइये।
2. आचार्य भामह के काव्य प्रयोजन को लिखिए।
3. "हेतुर्न तु हेतवः" काव्य प्रकाश के इस वाक्य को समझाइये।
4. काव्यप्रकाश में "अभिहितान्वयवाद एवं अन्विताविधानवाद" मतों में क्या अंतर है ? स्पष्ट कीजिए।

5. आचार्य मम्मट के जीवन पर प्रकाश डालिए।
6. काय प्रकाशकार के अनुसार "उत्तम काव्य" को सलक्षण समझाइये।
7. "संकेतितश्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेव वा।" निम्न कारिका को समझाइये।
8. "वाक्यं रसात्मकं काव्यम्"
   आचार्य विश्वनाथ कृत् काव्य लक्षण को समझाइये।

खण्ड 'ब'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **4×15 = 60**

9. काव्यं यशसेऽर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतरक्षतये।
   सद्यः परनिर्वृतये कान्तासम्मित तयोपदेशयुजे॥
   काव्य प्रकाश की इस कारिका की व्याख्या कीजिए।
10. काव्यशास्त्र के इतिहास में आचार्य विश्वनाथ के वैशिष्ट्य को प्रतिपादित कीजिए।
11. "लक्षणा तेन षड्विधा" इस कारिका को विस्तार से समझाइये।
12. काव्यांलकार के रचनाकार आचार्य भामह के जीवन पर प्रकाश डालिए।
13. मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्।
    अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया॥
    निम्न कारिका को विस्तार से निरूपित कीजिए।
14. काव्यशास्त्र के इतिहास में षड़ सम्प्रदायों पर प्रकाश डालिये।
15. रस एवं भाव में अंतर स्पष्ट कीजिए एवं रसवत् अलंकारों को समझाइये।
16. काव्यप्रकाश में वर्णित अभिनवगुप्त के अभिव्यक्तिवाद पर प्रकाश डालिए।

****